खबरें-फटाफट...

प्रदेश में शराब की खपत को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों ने की बैठक

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, जयपुर और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सोसायटी ने आज राजस्थान में शराब की जिम्मेदारीपूर्ण खपत को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक गोलमेज चर्चा की । बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित कई स्वास्थ्य विशेषज्ञों जैसे विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। चर्चाएं विशेष रूप से राजस्थान में प्रति व्यक्ति शराब की बढ़ती खपत को संबोधित करने पर केंद्रित थी। प्रतिभागियों ने इस प्रवृत्ति को चलाने वाले विभिन्न कारकों की जांच की, जिसमें बदलती जनसांख्यिकी, बेहतर जीवन स्तर, उच्च व्यय योग्य आय, विकसित हो रही खर्च करने की आदतें और सामाजिक रूप से शराब पीने की बढ़ती संस्कृति शामिल हैं।

चर्चा के दौरान उजागर की गई एक प्रमुख चिंता विभिन्न पेय पदार्थों में अल्कोहल की मात्रा और सेवन के उचित माप के बारे में उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता की सामान्य कमी थी। प्रतिभागियों ने मध्यम खपत और बेहतर उपभोक्ता शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यापक रणनीति विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव के ओएसडी श्री सुनील सिंह ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, 'उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं के बीच शराब के जिम्मेदार उपभोग के बारे में जागरूकता पैदा करने की सख्त जरूरत है। हमारा ध्यान हमारे नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा और रोकथाम पर होना चाहिए।' यह गोलमेज चर्चा राजस्थान के निवासियों के बीच जिम्मेदार उपभोग प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए इस सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता को दूर करने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

AasPaas – 4/01/25

राजस्थान में शराब की खपत को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों ने की बैठक

जयपुर (मसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, जयपुर और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सोसायटी ने राजस्थान में शराब की जिम्मेदारीपूर्ण खपत को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक गोलमेज चर्चा की।

बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित कई स्वास्थ्य विशेषज्ञों जैसे विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। चर्चाएं विशेष रूप से राजस्थान में प्रति व्यक्ति शराब की बढ़ती खपत को संबोधित करने पर केंद्रित थी। प्रतिभागियों ने इस प्रवृत्ति को चलाने वाले विभिन्न कारकों की जांच की, जिसमें बदलती जनसांख्यिकी, बेहतर जीवन स्तर, उच्च व्यय योग्य आय, विकसित हो रही खर्च करने की आदतें और सामाजिक रूप से शराब पीने की बढ़ती संस्कृति शामिल हैं। चर्चा के दौरान उजागर की गई एक प्रमुख चिंता विभिन्न पेय पदार्थों में अल्कोहल की मात्रा और सेवन के उचित माप के बारे में उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता की सामान्य कमी थी। प्रतिभागियों ने मध्यम खपत और बेहतर उपभोक्ता शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यापक रणनीति विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव के ओएसडी सुनील सिंह ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं के बीच शराब के जिम्मेदार उपभोग के बारे में जागरूकता पैदा करने की सख्त जरूरत है।

Patrika – 4/1/25

राजस्थान में शराब की खपत को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों ने की बैठक

जयपुर (मसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, जयपुर और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सोसायटी ने राजस्थान में शराब की जिम्मेदारीपूर्ण खपत को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक गोलमेज चर्चा की।

बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित कई स्वास्थ्य विशेषज्ञों जैसे विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। चर्चाएं विशेष रूप से राजस्थान में प्रति व्यक्ति शराब की बढ़ती खपत को संबोधित करने पर केंद्रित थी। प्रतिभागियों ने इस प्रवृत्ति को चलाने वाले विभिन्न कारकों की जांच की, जिसमें बदलती जनसांख्यिकी, बेहतर जीवन स्तर, उच्च व्यय योग्य आय, विकसित हो रही खर्च करने की आदतें और सामाजिक रूप से शराब पीने की बढ़ती संस्कृति शामिल हैं। चर्चा के दौरान उजागर की गई एक प्रमुख चिंता विभिन्न पेय पदार्थों में अल्कोहल की मात्रा और सेवन के उचित माप के बारे में उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता की सामान्य कमी थी। प्रतिभागियों ने मध्यम खपत और बेहतर उपभोक्ता शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यापक रणनीति विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव के ओएसडी सुनील सिंह ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं के बीच शराब के जिम्मेदार उपभोग के बारे में जागरूकता पैदा करने की सख्त जरूरत है।

राजस्थान में शराब की खपत पर स्वास्थ्य अधिकारी और विशेषज्ञों ने की चर्चा

मॉर्निंग न्यूज @ जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, जयपुर और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सोसायटी की ओर से राजस्थान में शराब की जिम्मेदारीपूर्ण खपत को

बढ़ावा देने पर केंद्रित एक गोलमेज चर्चा की गई। बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन, टाटा ट्रस्ट, कंज्यूमर वॉयस, गेटवे कंसल्टिंग और कई स्वास्थ्य विशेषज्ञों जैसे संगठनों के प्रतिनिधियों सहित कई लोगों ने भाग लिया।

राजस्थान में शराब की जिम्मेदारी पूर्ण खपत को संबोधित करने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी और विशेषज्ञ हुये एकत्रित

❐ आयुष-अंतिमा नेटवर्क

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, जयपुर और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सोसायटी ने राजस्थान में शराब की जिम्मेदारी पूर्ण खपत को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक गोलमेज चर्चा की। बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन, टाटा ट्रस्ट, कंज्यूमर वॉयस, गेटवे कंसल्टिंग और कई स्वास्थ्य विशेषज्ञों जैसे विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। चर्चाएँ विशेष रूप से राजस्थान में प्रति व्यक्ति शराब की बढ़ती खपत को संबोधित करने पर केंद्रित थीं। प्रतिभागियों ने इस प्रवृत्ति को चलाने वाले विभिन्न कारकों की जाँच की, जिसमें बदलती जनसांख्यिकी, बेहतर जीवन स्तर, उच्च व्यय योग्य आय, विकसित हो रही खर्च करने की आदतें और सामाजिक रूप से शराब पीने की बढ़ती संस्कृति शामिल हैं। चर्चा के दौरान उजागर की गई एक प्रमुख चिंता विभिन्न पेय पदार्थों में अल्कोहल की मात्रा और सेवन के उचित माप के बारे में उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता की सामान्य कमी थी। प्रतिभागियों ने मध्यम खपत और बेहतर उपभोक्ता शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यापक रणनीति विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। राजस्थान सरकार में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव के ओएसडी सुनील सिंह ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं के बीच शराब के जिम्मेदार उपभोग के बारे में जागरूकता पैदा करने की सख्त जरूरत है। हमारा ध्यान हमारे नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा और रोकथाम पर होना चाहिए। यह गोलमेज चर्चा राजस्थान के निवासियों के बीच जिम्मेदार उपभोग प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए इस सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता को दूर करने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।